तिरंगा यात्रा कार्यक्रम– याद करो कुरबानी

(आजादी के 70 वें वर्ष का जश्न)

- भारत की आजादी के 70 वें वर्ष को मनाने के लिए और हमारे महान राष्ट्र की आजादी के लिए किए गए बलिदानों को याद रखने के लिए, **नेयुकेसं** ने तिरुंगा यात्राओं की एक बड़ी संख्या अर्थात 113 के लक्ष्य के मुकाबले 113 का आयोजन किया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में युवाओं द्वारा अधिकतम संख्या में यात्रा में भाग लेना शामिल है ।
- दिल्ली में, यह न केवल तिरुंगा की विषय पर सबसे बड़ा कार्यक्रम था बल्कि यह कार्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया था, जिसके द्वारा पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध प्रदान किए।
- दिल्ली में यात्रा मार्ग – यात्रा को श्री विजय गोयल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा, लाल किले से झंड़ी दिखाकर रवाना किया गया था। यह यात्रा टाउन हॉल, नई सड़क, हौज काजी चौक, अजमेरी गेट स्मारक, हमदर्द चौक, मिंटो रोड और सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस से होकर गुजरी।
- दिल्ली में, जीवन के सभी क्षेत्रों से लगभग 4,000 युवाओं ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया, जबकि अन्य आयु समूहों के लोगों ने भी समान उत्साह के साथ भाग लिया।
- श्री विजय गोयल, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल, भारत सरकार के प्रेरक सम्बोधन से युवाओं का उत्साह ओर भी बढ़ गया। इस अवसर के दौरान श्री वीरेंद्र सहवाग, स्टार क्रिकेटर; सुश्री रितु बेरी, फैशन डिजाइनर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।
- दिल्ली यात्रा ने विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक और प्रेस मीडिया को आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप इस कार्यक्रम को अधिकतम कवर किया गया, जिससे न केवल मजबूत देशभक्ति उत्साह और प्रेरणा उत्पन्न हुई बल्कि इसके साथ–साथ दिल्ली एवं देशभर में तिरंगा के बारे में जानकारी मिली और सम्मान बढ़ा।
- इस यात्रा के माध्यम से युवाओं के बीच भारत सरकार की सभी 70 प्रमुख योजनाएं प्रचारित की गईं।

- युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, तिरुंगा का अर्थ, और राष्ट्रीय ध्वज को सम्मान, कोड और शर्तों के पालन के बारे में उन्मुख किया गया।
- वास्तव में, तिरंगा यात्रा ने यादों को ताज़ा कर दिया और राष्ट्र निर्माण और देशभक्ति पर भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने पर भारत भर में युवाओं की देशभक्ति की भावनाओं को आगे बढ़ाया।
- इतिहास में पहले कभी भी ऐसा कार्यक्रम और अभियान दूरदराज के क्षेत्रों और द्वीपों जैसे कार निकोबार, पोर्ट ब्लेयर, कवरती, लक्षद्वीप, तवांग, तमंगलोंग, थौबुल, लुंगली और दीमापुर में आयोजित नहीं गया था।
- कुल मिलाकर, तिरंगा यात्रा भारत के लगभग 475 किलोमीटर और प्रत्येक स्थान पर औसतन 4. 5 किमी की दूरी तक की गई।
- निम्नलिखित विषय आधारित गतिविधियों को भी आयोजित किया गया, जिससे जागरूकता उत्पन्न हुई और कार्यक्रमों में भाग लेने वाले युवाओं एवं अन्य लोगों को प्रेरित किया गया।
    - भारत सरकार की हालिया पहलों पर चर्चा
    - स्वतंत्रता संग्राम के विषय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, और एकांकी नाटक।
    - स्वतंत्रता आंदोलन पर फिल्म।
    - स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और उनके प्रेरणात्मक जीवन पर चर्चा की गई।
    - फेलिसिटेशन – शहीदों के परिजनों और स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व सैनिक को बहादुरी/बहादुरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- प्रत्येक स्थान पर पांच से छह गतिविधियां आयोजित की गईं जिसमें 69,640 महिलाएं और पुरुष युवा शामिल थे, जिन्होंने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम के संदेशों को सीधे ग्रहण किया और प्रचारित किया।
- वीआईपी और अधिकारियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया और तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के दौरान किए गए विभिन्न गतिविधियों की सराहना की।

03 माननीय मुख्य मंत्री (मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा)

02 माननीय केंद्रीय मंत्री

06 राज्य सरकारों के माननीय मंत्री

संसद के 11 माननीय सदस्य

02 माननीय अध्यक्ष, राज्य विधान सभाएं

13 महापौर/ उप महापौर

37 माननीय एमएलए/एमएलसी

सचिव (युवा मामलों), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

महानिदेशक, नेयुकेसं

कार्यकारी निदेशक, नेयुकेसं

17 डीएम/डीसी